

असाधारस् EXTRAORDINARY

भारा 11—कृष्य 3—उन्प-कृष्य (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

वर्गसम्बद्ध सं प्रशासिक PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 529] **नई दिल्ली, मंगलबार, सितम्बर 7, 1893/मात्र** 16,1915 No. 529] NEW **DELHI, TUESDAY**, SEPTEMBER 7, 1993/BHADRA 16, 1915

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई विल्ली, 7 सितम्बर, 1993

का. भा. 669(भ्र).—जबिक, केन्द्रीय सरकार की राय है कि नेशनल जूट मैनु-फैक्चरर्स कोरपोरेशन लिमिटिड के नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच इससे उपायड अनुसूची में विनिद्दिष्ट मामलों के संबंध में एक औद्योगिक विवाद विश्वमान हैं;

और जबिक, विवाद के पक्षकार माननीय उच्च न्यायालय कलकत्ता के समक्ष इस बात के लिए सहमत हो गए हैं कि 1984 के सी. आर. संख्या 14156(डब्लू) में प्रन्तंगस्तं विवाद का एक राष्ट्रीय न्यायाधिकरण द्वारा न्याय निर्णयन किया जाना चाहिए, उक्त माननीय न्याया- ------

लय ने अपने दिनांक 3-9-91 के आदंश द्वारा केन्द्रीय सरकार की विवाद की न्यायनिर्णयन के लिये एक राष्ट्रीय न्यायाधिकरण की निर्दिष्ट करने का निर्देश दिना है:

यतः श्रव कन्द्रीय सरकारः

- (1) ओद्योपिक विवाद श्रिजिनियम, 1947(1947 का 14) की धारा 7ण हारा प्रवत्त एक्सियों का प्रयोग करते हुए इसके द्वारा एक राष्ट्रीय आद्योगिक न्यायाधिकरण का गठन करती है जिसका मुख्यालय कलकत्ता में होगा और न्यायमूर्ति श्री एम. एन. रॉय को इसके पीठासीन श्रिधकारी के रूप में नियुक्त करती है, और
- (2) उकत अधिनियम की धारा 10 की उप धारा (1क) द्वारा प्रदत्त मिन्तयों का प्रयोग करते हुए इसके द्वारा अनुसुधी में विनिद्धित्य मामलों के संबंध में औद्योगिक विवाद की न्यागानिर्णयम के लिए उक्त राष्ट्रीय औद्योगिक न्यागाधिकरण को निर्दिष्ट करती है।

श्रनुभूको

गशनल जूट मंनुकैक्चरर्स कोरपोरेशन लिमिटेड, जो भारत सरकार का उपक्रम है के प्राधीन विभिन्न मिलों ने कार्यरत लिपिकीय कर्मचारियों को, उक्स निगम हारा सेंवा नियम और विनियम 1982 के प्रधीन बनाई गई योजना, जिसे 1-4-1983 सें लागू किया गया है के प्रमुसार समान कार्य के निष्ट समान वेतन और वेतन मान तथा श्रन्य लाम दिया जाना।

[संख्या एल--51016/1/93-साई.ब्रार. (पी जी)] अभोक घोष, संयुक्त सनिव

MINISTRY OF LABOUR ORDER

New Delhi, the 7th September, 1993

S.O. 669(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that an Industrial Dispute exists between the employers in relation to the National Jute Manufacturers Corporation Limited and their workmen in respect of matters specified in the schedule;

And whereas the parties to the dispute having agreed before the Hon'ble High Court at Calcutta that dispute involved in C.R. No. 14156(w) of 1984 be adjudicated by a National Tribunal, the said Hon'ble Court, by its order dated 3-9-91 has directed the Central Government, to refer the dispute to a National Tribunal;

Now, therefore, the Central Government:

(i) in exercise of the powers conferred by section 7B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), hereby, constitutes a National

Tribunal with Headquarters at Calcutta and appoints Justice M. N. Roy as its presiding officer; and

(ii) in exercise of the powers conferred by sub-section (IA) of section 10 of the said Act, hereby refers the industrial dispute in respect of the matters specified in the schedule to the said National Tribunal for adjudication.

SCHEDULE

Equal pay for equal work and granting of pay scale and other benefits to the clerical staff working at different mills under National Jute Manufacturers Corporation Limited (a Govt. of India Undertaking) as per scheme framed by the said Corporation under the Service Rules and Regulations, 1982 and given effect from 1-4-1983.

ABHIK GHOSH, Jt. Secy. [F. No. L-51016]1|93-IR(PG]